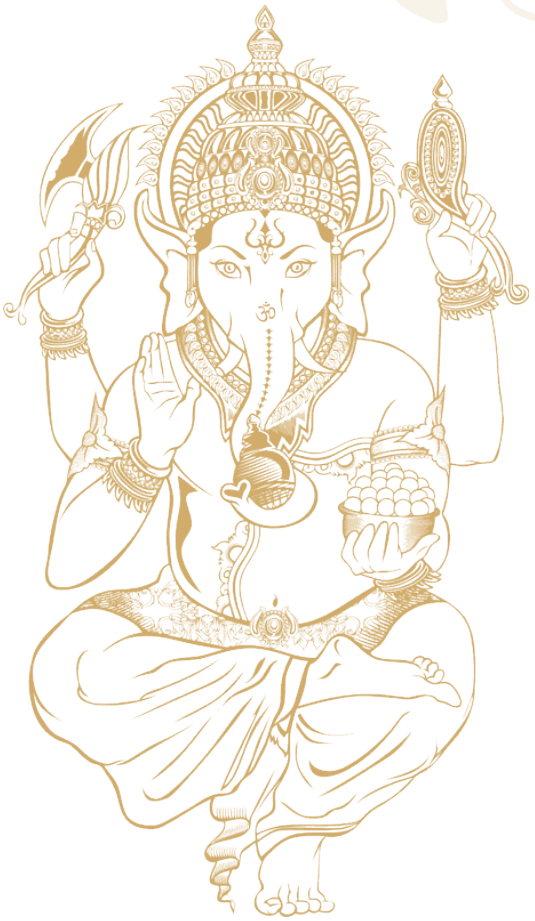

Mr.

20 Apr 1990

01:05 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121317106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/04/1990**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:05:00 घंटे**
इष्ट	19:16:03 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:15:48 घंटे
वेलान्तर	00:01:00 घंटे
साम्पातिक काल	03:08:19 घंटे
सूर्योदय	05:22:34 घंटे
सूर्यास्त	18:14:17 घंटे
दिनमान	12:51:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:14:25 मेष
लग्न के अंश	27:59:22 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:59:22	316:00:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मेष	06:14:25	00:58:36	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	00:27:13	13:22:56	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	05:49:17	00:44:53	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			मेष	23:22:09	00:17:39	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			मिथु	11:31:02	00:08:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	21:00:15	01:05:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मक	01:26:19	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मक	19:28:43	00:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	19:28:43	00:00:52	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	15:50:50	00:00:20	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:50:44	00:00:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	23:08:25	00:01:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मेष	25:48:35	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:29

लग्न-चलित

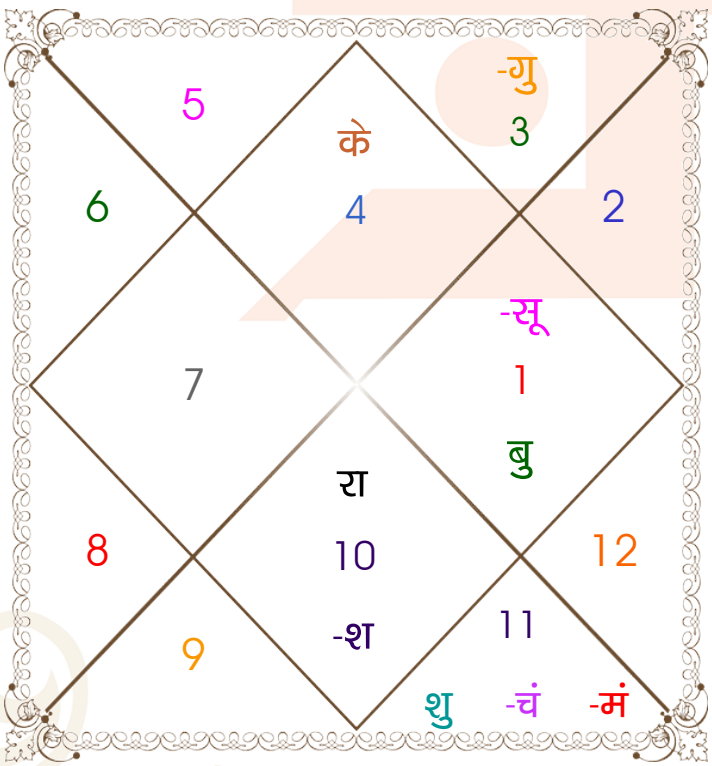

चन्द्र कुंडली

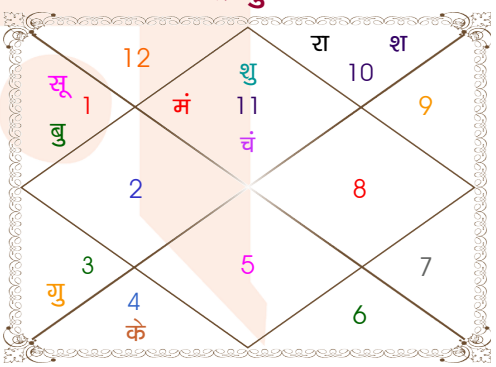

नवमांश कुंडली

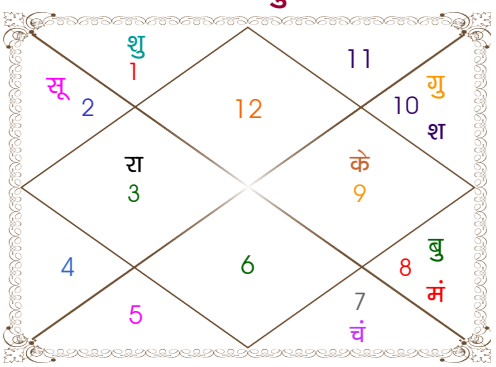

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 3 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/04/1990		24/07/1993		25/07/2011		25/07/2027		25/07/2046	
24/07/1993		25/07/2011		25/07/2027		25/07/2046		25/07/2063	
	00/00/0000	राहु	06/04/1996	गुरु	11/09/2013	शनि	28/07/2030	बुध	20/12/2048
	00/00/0000	गुरु	30/08/1998	शनि	24/03/2016	बुध	06/04/2033	केतु	18/12/2049
	00/00/0000	शनि	06/07/2001	बुध	30/06/2018	केतु	16/05/2034	शुक्र	17/10/2052
	20/04/1990	बुध	24/01/2004	केतु	06/06/2019	शुक्र	15/07/2037	सूर्य	24/08/2053
बुध	20/01/1991	केतु	10/02/2005	शुक्र	04/02/2022	सूर्य	27/06/2038	चंद्र	23/01/2055
केतु	18/06/1991	शुक्र	11/02/2008	सूर्य	23/11/2022	चंद्र	27/01/2040	मंगल	21/01/2056
शुक्र	18/08/1992	सूर्य	05/01/2009	चंद्र	24/03/2024	मंगल	06/03/2041	राहु	09/08/2058
सूर्य	23/12/1992	चंद्र	06/07/2010	मंगल	28/02/2025	राहु	11/01/2044	गुरु	14/11/2060
चंद्र	24/07/1993	मंगल	25/07/2011	राहु	25/07/2027	गुरु	25/07/2046	शनि	25/07/2063

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/07/2063		25/07/2070		25/07/2090		24/07/2096		26/07/2106	
25/07/2070		25/07/2090		24/07/2096		26/07/2106		00/00/0000	
केतु	21/12/2063	शुक्र	23/11/2073	सूर्य	11/11/2090	चंद्र	25/05/2097	मंगल	22/12/2106
शुक्र	19/02/2065	सूर्य	23/11/2074	चंद्र	13/05/2091	मंगल	24/12/2097	राहु	09/01/2108
सूर्य	27/06/2065	चंद्र	24/07/2076	मंगल	18/09/2091	राहु	25/06/2099	गुरु	15/12/2108
चंद्र	26/01/2066	मंगल	23/09/2077	राहु	11/08/2092	गुरु	25/10/2100	शनि	24/01/2110
मंगल	24/06/2066	राहु	23/09/2080	गुरु	31/05/2093	शनि	26/05/2102	बुध	21/04/2110
राहु	13/07/2067	गुरु	25/05/2083	शनि	13/05/2094	बुध	25/10/2103		00/00/0000
गुरु	18/06/2068	शनि	25/07/2086	बुध	19/03/2095	केतु	25/05/2104		00/00/0000
शनि	28/07/2069	बुध	25/05/2089	केतु	25/07/2095	शुक्र	24/01/2106		00/00/0000
बुध	25/07/2070	केतु	25/07/2090	शुक्र	24/07/2096	सूर्य	26/07/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।